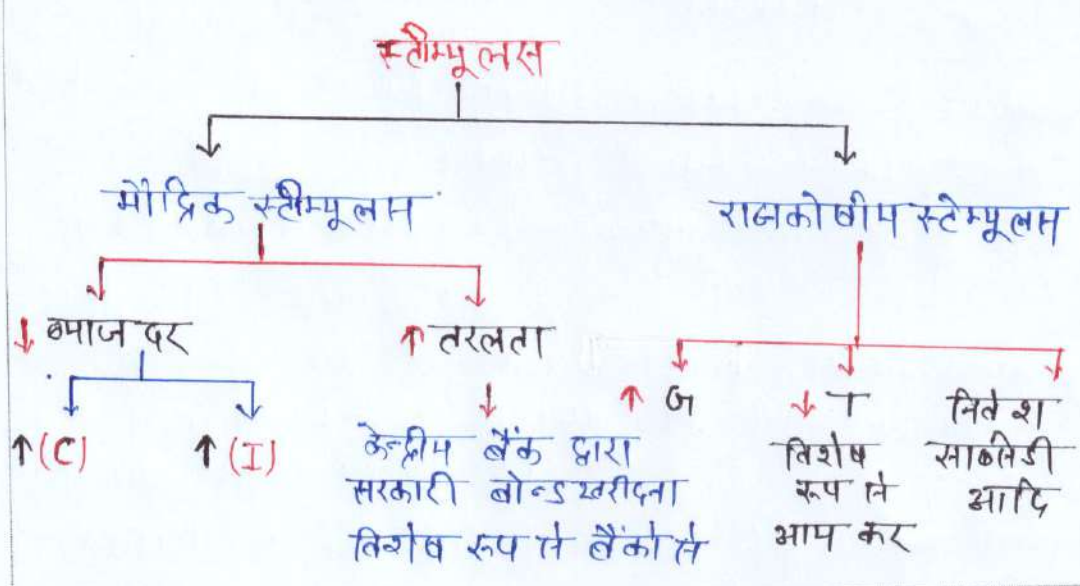


स्टीम्यूलस (Stimulus)

Slowdown, Recession, Depreciation आदि समस्याओं के समाधान के लिए लागू जाने वाले मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के मिश्रित पैकेज को स्टीम्यूलस कहते हैं।

यह पैकेज सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था पर एक समान रूप से लागू किया जाता है। इस प्रकार यह Bail-out पैकेज से अलग होता है क्योंकि Bail-out पैकेज सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था के लिए लागू होने के बजाए कुछ क्षेत्रों या कंपनियों के Revival (पुनर्जीवन) के लिए लागू किया जाता है।

स्टीम्यूलस की संरचना



Note:-

आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 और 2021-22 के अनुसार Recession में मौद्रिक नीति की तुलना में राजकोषीय नीति अधिक प्रभावी होती है। ध्यान देने योग्य है कि विश्व के अधिकांश राष्ट्रों द्वारा Post Covid recovery के लिए राजकोषीय नीति का मुख्य रूप से प्रयोग किया गया है। सरकारी खर्च आदि के स्तर को भारी मात्रा में बढ़ाया गया इसका वित्तीयन मुख्य रूप से बाजार के उधार (Market Borrowing) से किया गया है जिसके कारण भारत समेत दुनिया के कई राष्ट्रों के ऋणों का स्तर काफी उच्च हो गया।

इस सन्दर्भ में आर्थिक सर्वेक्षण में दिए गए IGRD (Interest Growth Rate Differential) का सिद्धांत महत्वपूर्ण है जो यह कहता है कि यदि व्याज दर की तुलना में ग्राह्य रेट का स्तर उच्च है तो ऋण लेकर ग्राह्य पर ध्यान दिया जा सकता है अर्थात् ऋण लेकर सरकार अपने खर्चें बढ़ा सकती है।